44th FIDE Chess Olympiad Chennai 2022

Chess one of the most ancient, intellectual and cognitive games, is a combination of a sport, scientific thinking and an element of the art. Chess the game, which according to Voltaire, 'reflects most honour on human wit' originated in ancient India. A number of similarities exist between modern chess and Indian game called *Chaturanga*, which dates back to the 5th Century AD. Its original name in Sanskrit was *Chaturangal*, means 'four arms' or 'four members'. It was also the Indian word for Army, especially the four components of the army.

In the 6th century, Chaturanga spread from India to Persia and a little later the Arabs learned the game. Chess entered Europe around 10th century. Over the years, Chess has grown into others parts of the world. The modern era of Chess, however dates back to about the 17th century, when the pieces on the board gained their present form. By the 20th century, Chess, the game of honour and wit, has spread all over the world.

After the birth of FIDE (Federation Internationale des Echecs) in 1924, Chess attained the status of dynamic sport. The advantages of the internet took the game to new heights. It is the only type of game which allows real competitions to be held in virtual space. FIDE aims at assisting the best chess players to continue to achieve new peaks of excellence and to increase the pool of talent from which new champions would emerge.

FIDE was formed on 20.7.1924, the closing day of the first unofficial Chess Olympiad at Paris. This day (20th July), is also recognised as the "International Day of Chess".

Constituted as a non-governmental institution, FIDE was recognized by the International Olympic Committee as a Global Sporting Organization in 1999. In 200 countries, under the banner of FIDE, more than 10 million players are registered, who take part in over 5000 different tournaments every year.

FIDE organised the first official Chess Olympiad in 1927 which took place in London. There were 16 participating nations in the 1st Chess Olympiad. Another unofficial Chess Olympiad was held in Budapest, Hungary in 1926, while the second official Chess Olympiad was held in Netherlands in 1928. The world Chess Federation (FIDE) has since 1950, conducted the official Chess Olympiads once every two year.

In the year 2022, World Chess Federation (FIDE) announces a new tradition of chess Olympiad Torch Relay. The First Torch relay commenced from New Delhi, India. Hon'ble Prime Minster of India, Shri Narendra Modi inaugurated the first ever Torch Relay of chess Olympiad on 19.6.2022. This will be regular feature in coming Olympiads and the Torch Relay will be commenced from India to reach host country of Chess Olympiads.

44th International Chess Olympiad is being organised at Mahabalipuram (Chennai), India from 28th July 2022 to 10th August 2022. The event sees the participation of chess players from more than 180 countries, consisting of Super Grand Masters and the world Champions and the highest rated players. The event is one of the largest gathering of chess players and is expected to infuse passion and excitement in the minds of young Indians for this amazing sport.

Department of Posts recognises the contribution of FIDE in the promotion of Chess, a game which results in better brain function, improved memory and cognitive abilities, strategic thinking and attention improvement.

Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on 44th FIDE Chess Olympiad.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet : Shri Brahm Prakash

Text : Referenced from contents provided by the proponent.

डाक विभाग
Department of Posts

44वां एफ आई डी ई शतरंज ओलंपियाड चेन्नई 2022

44th FIDE CHESS OLYMPIAD CHENNAI 2022

विवरणिका BROCHURE

44वां एफआईडीई शतरंज ओलंपियाड चेन्नई 2022

शतरंज, दुनिया के सबसे प्राचीन खेलों में से एक है। इसमें, खेल के साथ–साथ वैज्ञानिक सोच और कलात्मक पहलुओं का बेजोड़ मेल है। शतरंज के खेल की शुरुआत प्राचीन भारत में हुई। वोल्टायर के अनुसार यह खेल, 'मानवीय चातुर्य का शीर्ष प्रतिमान है'। आधुनिक शतरंज और 5वीं सदी के भारतीय खेल, चतुरंग में अनेक समानताएं हैं। चतुरंग का संस्कृत में मूल नाम चतुरंगल था, जिसका अर्थ है 'चार भुजाएं' या 'चार सदस्य'। इस शब्द का प्रयोग भारत में सेना, विशेष रूप से सेना के चार घटकों के लिए भी किया जाता था।

छठी शताब्दी में चतुरंग का विस्तार, भारत के बाहर फारस में भी हो गया था और कुछ ही समय बाद अरबी लोगों ने भी इस खेल को खेलना सीख लिया। यूरोप में शतरंज की शुरुआत 10वीं शताब्दी के आस–पास हुई। समय के साथ–साथ यह खेल, विश्व के अन्य हिस्सों में भी लोकप्रिय हो गया। हालांकि, शतरंज का आधुनिक युग लगभग 17वीं शताब्दी में प्रारंभ हुआ, जब शतरंज के मोहरों को वर्तमान स्वरूप मिला। 20 वीं शताब्दी तक, सम्मान एवं चतुराई का यह खेल विश्वभर में अपनी जगह बना चुका था।

1924 में एफआईडीआई (फीडे) की स्थापना के बाद से शतरंज को एक महत्वपूर्ण खेल का दर्जा प्राप्त हुआ। इंटरनेट की सुविधा ने इस खेल को नई बुलंदियों तक पहुंचाया। यह एकमात्र ऐसा खेल है, जिसके अंतर्गत वास्तविक प्रतियोगिताएं वर्चुअल स्पेस में आयोजित की जा सकती हैं। एफआईडीआई का उद्देश्य शतरंज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सहायता करना है, ताकि वे उत्कृष्टता के नए शिखर छू सकें। साथ ही, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का ऐसा समूह (पूल) भी तैयार करना है, जिसमें से नए चैम्पियन उभर सकें।

एफआईडीआई का गठन, पेरिस में आयोजित पहले अनौपचारिक शतरंज ओलंपियाड के समापन दिवस अर्थात् 20.7.1924 को हुआ। इस दिन (20 जुलाई) को "अंतरराष्ट्रीय शतरंज दिवस" के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

एक गैर–सरकारी संस्थान के रूप में गठित एफआईडीआई को 1999 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा एक वैश्विक खेल–कूद संगठन के रूप में मान्यता प्रदान की गई। एफआईडीआई के बैनर तले 200 देशों के 10 मिलियन से अधिक खिलाड़ी पंजीकृत हैं, जो प्रति वर्ष 5000 से अधिक विभिन्न टूर्नामेंटों में भाग लेते हैं।

एफआईडीआई द्वारा प्रथम औपचारिक शतरंज ओलंपियाड का आयोजन 1927 में लंदन में किया गया। प्रथम शतरंज ओलंपियाड में 16 देशों ने भाग लिया। 1926 में बुडापेस्ट, हंगरी में एक अन्य अनौपचारिक शतरंज ओलंपियाड का आयोजन किया गया, जबकि दूसरे आधिकारिक शतरंज ओलंपियाड का आयोजन 1928 में नीदरलैंड में हुआ। एफआईडीआई, 1950 के बाद से प्रत्येक दो वर्ष में आधिकारिक शतरंज ओलंपियाड का आयोजन करता रहा है।

वर्ष 2022 में, एफआईडीआई ने शतरंज ओलंपियाड मशाल रिले की एक नई परंपरा की शुरुआत की। प्रथम मशाल रिले का आरंभ नई दिल्ली, भारत से हुआ। 19.6.2022 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने शतरंज ओलंपियाड की पहली मशाल रिले का उद्घाटन किया। भावी ओलंपियाडों में इसका आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा और यह मशाल रिले, भारत से आरंभ होकर शतरंज ओलंपियाड के मेजबान देश तक पहुंचेगी।

44वें अंतरराष्ट्रीय शतरंज ओलंपियाड का आयोजन भारत के महाबलीपुरम (चेन्नई) में 28 जुलाई, 2022 से 10 अगस्त, 2022 तक किया जाएगा। इस आयोजन में 180 से अधिक देशों के शतरंज के खिलाड़ी शामिल होगें। इनमें सुपर ग्रैंड मास्टरों से लेकर विश्व चैम्पियन तथा शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी शामिल हैं। इस बार के शतरंज ओलंपियाड में विश्वभर से आए शतरंज के खिलाड़ियों का सबसे बड़ा समूह भाग लेगा। आशा है कि इस प्रतियोगिता के आयोजन से, इस रोचक खेल के प्रति युवा भारतीयों के मन में जोश और उत्साह का संचार होगा।

डाक विभाग, शतरंज के खेल के प्रचार–प्रसार की दिशा में एफआईडीआई के योगदान के महत्व को रेखांकित करता है। इस खेल की बदौलत मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ती है और स्मरण शक्ति तथा बौद्धिक क्षमता का भी संवर्द्धन होता है, जिसके फलस्वरूप व्यक्ति में रणनीतिक दृष्टिकोण विकसित होता है और उसकी एकाग्रता बढ़ती है।

डाक विभाग 44वें अंतरराष्ट्रीय शतरंज ओलंपियाड पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / : श्री ब्रह्म प्रकाश
विवरणिका / विरूपण कैशे

पाठ : प्रस्तावक से प्राप्त सूचना के आधार पर

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500 p
मुद्रित डाक–टिकटें	: 302600
Stamps Printed	: 302600
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य ₹ 5.00